भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5666**

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बेहतर स्वास्थ्य के लिए शतावरी

5**666.** श्री राजेश वर्मा**:**

श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर**:**

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे**:**

श्री नरेश गणपत म्हस्के**:**

श्रीमती शांभवी**:**

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी प्रजाति-विशिष्ट अभियान "शतावरी-बेहतर स्वास्थ्य के लिए" के उद्देश्य और मुख्य फोकस क्षेत्र क्या हैं तथा यह किस प्रकार विकसित भारत के 'पंच प्राण' लक्ष्य के अनुरूप है;

(ख) सरकार द्वारा शतावरी के औषधीय लाभों, विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के समाधान में शतावरी की प्रभावकारिता पर वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए अनुसंधान संस्थानों और स्वास्थ्य सेवा चिकित्सकों के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) आम जनता के लिए शतावरी-आधारित आयुर्वेदिक दवाओं और सप्लीमेंट्स की पहुंच और वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) देश भर में शतावरी की खेती, संरक्षण और सतत उपयोग का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) के अंतर्गत किन पहलों की योजना बनाई गई है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क और ख**):** राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने हाल ही में **(06.02.2025)** विकसित भारत के पंच प्रण लक्ष्य के अनुरूप प्रजाति-विशिष्ट अभियान "शतावरी - बेहतर स्वास्थ्य के लिए" शुरू किया है। शतावरी के पौधे की कंद की जड़ें महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी होती हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य, जनता के बीच शतावरी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना और पूरे देश में इस संभावित औषधीय पौधे के उपयोग को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत, शतावरी पौधों, सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री का वितरण करने तथा कार्यशाला का आयोजन करने आदि जैसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता दिए जाने का प्रावधान है।

(ग**):** जी नहीं, तथापि, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय औषधीय 'पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' की अपनी केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत औषधीय पादपों

के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान गतिविधियां चलाने के लिए देश भर में सरकारी तथा निजी विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/संगठनों को परियोजना आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(घ): इंडियन मेडिसिंस फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, (आईएमपीसीएल), आयुष मंत्रालय सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए शतावरी-आधारित उत्पादों के लिए कड़े गुणवत्ता नियंत्रण मानकों को अपनाता है और उन्हें लागू करता है।

(ङ): राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय 'औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' की केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) कार्यान्वित कर रहा है जिसके अंतर्गत अनुसंधान तथा विकास, सूचना, शिक्षा एवं संचार और औषधीय पौधों के संरक्षण एवं विपणन पहलुओं के लिए देश भर में सरकारी तथा निजी विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/संगठनों को परियोजना आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

*****